मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 176, मुंबई, शुक्रवार, 25 अगस्त, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर
शुध्द घी में बना
केसरीया
घेवर

काजु कतरी, काजु रोल, बदाम बर्फी,
बदाम रोल, केसर पेडे, पिस्ता लॉज,
मिलेगा.
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501 98208 99501

महाराष्ट्र पर कब मेहरबान होगा मॉनसून?

मौसम विभाग ने बताया अगले महीने के मौसम का हाल

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में अगस्त महीने में औसत से कम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। इस साल राज्य में मॉनसून का आगमन चार दिन की देरी से हुआ था। इसके बाद चक्रवात के प्रभाव से कोंकण में ही बारिश की रफ्तार रुक गई और 23 जून के बाद राज्य में मॉनसून फिर सक्रीय हुआ। हालाँकि जून में बारिश की कमी के बाद जुलाई में बंपर बारिश हुई। लेकिन अगस्त में फिर बारिश ने ब्रेक ले लिया। मौसम विभाग के मुताबिक, अगस्त महीने के बाकि दिनों में भी राज्य में हलकी बारिश की उम्मीद है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई में स्वाइन फ्लू ने बढ़ाई टेंशन

20 दिन में मिले 100 मरीज

लापरवाही पड़ सकती है भारी!

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में बादलों की लुकाछिपी के बीच एच1एन1 वायरस यानि स्वाइन फ्लू के मामले तेजी से बढ़ रहे है। अगस्त के पहले 20 दिनों में शहर में स्वाइन फ्लू के 100 मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा डेंगू, लेप्टो का खतरा भी बढ़ रहा है। मुंबई में बारिश के मौसम में सर्दी, खांसी, तेज बुखार और गले में खराश जैसे लक्षण वाले मौसमी फ्लू के मरीज तेजी से बढ़ते हैं। हालांकि इस साल स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या बढ़ती दिख रही है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

एच1एन1 इन्फ्लूएंजा वायरस के मामले में लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है। क्योंकि यह श्वसन तंत्र से जुड़ी संक्रामक बीमारी है। जब कोई स्वाइन फ्लू मरीज दूसरे व्यक्ति के संपर्क में आता है, तो उसे भी ये बीमारी होने की आशंका रहती है।

1 अगस्त से 20 अगस्त तक किस बीमारी के कितने मरीज मिले

मलेरिया – 704, लेप्टो– 217, डेंगू– 495, गैस्ट्रोएंटेराइटिस– 495, पीलिया– 660, चिकनगुनिया– 14, स्वाइन फ्लू– 100

जुलाई महीने में किस बीमारी के कितने मरीज मिले

मलेरिया – 721, लेप्टो – 413, डेंगू – 685, गैस्ट्रोएंटेराइटिस – 1767, पीलिया – 144, चिकनगुनिया– 27, स्वाइन फ्लू– 106

नहीं माने महाराष्ट्र के किसान, लासलगांव मंडी में किया प्रदर्शन

अभी तक सरकारी खरीद नहीं हुई शुरू

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में प्याज के निर्यात पर 40 फीसदी शुल्क लगाये जाने के विरोध में किसानों का प्रदर्शन जारी है। केंद्र सरकार के इस फैसले के खिलाफ नासिक के लासलगांव मंडी में किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्याज की गिरती कीमतों के खिलाफ सड़क पर उतरे किसानों ने कुछ देर के लिए मुंबई-आगरा हाईवे को अवरुद्ध कर दिया। जानकारी के मुताबिक, प्याज पर 40 फीसदी निर्यात शुल्क लगाने के केंद्र सरकार के फैसले के बाद से नासिक की मंडियों में नीलामी का भाव गिरता जा रहा है। इसलिए किसानों ने निर्यात शुल्क को रद्द करने की मांग को लेकर आज नासिक में मुंबई-आगरा राजमार्ग को ब्लॉक कर दिया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

ऑपरेशन लोटस 2 बार हुआ फेल... एनसीपी में कोई फूट नहीं

सुप्रिया सुले का बड़ा खुलासा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) सांसद सुप्रिया सुले ने बीजेपी के 'ऑपरेशन लोटस' को लेकर बड़ा दावा किया है। एनसीपी के संस्थापक शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने कहा है कि बीजेपी ने तीन बार एनसीपी को तोड़ने की कोशिश की। इसके साथ ही सुले ने दावा किया कि एनसीपी में कोई टूट नहीं हुई है और पूरी पार्टी एकजुट है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम व एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने 2 जुलाई को बीजेपी के साथ जाने का फैसला किया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बीजेपी ने 3 बार की पार्टी तोड़ने की कोशिश

उन्होंने कहा, राष्ट्रवादी पार्टी को तोड़ने की ये बीजेपी की पहली कोशिश नहीं है। उन्होंने तीन बार पार्टी तोड़ने की कोशिश की। पिछली दो बार उन्हें सफलता नहीं मिली थी। सुप्रिया सुले ने कहा, लेकिन तीसरी बार उन्होंने एक मजबूत रणनीति बनाई और अजित पवार उनके साथ सत्ता में शामिल हो गए।

'लोकतंत्र में कोई किसी से भी मिल सकता है'

कुछ दिन पहले शरद पवार और अजित पवार की पुणे में मुलाकात हुई थी। यह मुलाकात उद्योगपति अतुल चोरडिया के घर पर हुई। इस पर सुप्रिया सुले ने टिप्पणी की। सुप्रिया सुले ने कहा, लोकतंत्र में कोई भी किसी से मिल सकता है। लेकिन अगर कोई गठबंधन है तो हम सहयोगी दलों को जवाब देने के लिए बाध्य होते हैं। इसलिए हमारे सहयोगी दल कांग्रेस और शिवसेना की जो राय इस मुलाकात पर है वह भी गलत नहीं है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

राष्ट्रीय गर्व का अवसर

इस सफलता को और बड़ा आयाम देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे मानवता की कामयाबी बताया। उनका यह कथन महत्त्वपूर्ण है कि यह कामयाबी संकेत देती है कि विकासशील देश भी इसी तरह की बड़ी उपलब्धियां प्राप्त कर सकते हैं।

चंद्रयान-3 अभियान की सफलता हर लिहाज से राष्ट्रीय गर्व का विषय है। सारा देश दम साधे इस मौके का इंतजार कर रहा था, उसकी वजह यही है कि विज्ञान ने चाहे जितनी तरक्की की हो, लेकिन चांद पर लैंडर को सटीक ढंग से उतार देना आज भी आसान नहीं है। आशंकाएं कई वजहों से थीं। एक तो चंद्रयान-2 की विफलता की याद आज भी ताजा है, दूसरे चंद्रयान-3 के चांद पर उतरने से कुछ ही दिन पहले रूस का यान लूना दुर्घटनाग्रस्त हो गया। फिर मंगलवार शाम को अचानक यह खबर तेजी से फैली कि लैंडर की सेहत को देखते हुए यान को चांद की सतह पर उतारने का काम 27 अगस्त तक के लिए टाला जा सकता है। लेकिन तमाम आशंकाएं निर्मूल साबित हुईं और इस तरह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अपना यान उतारने वाला भारत दुनियाका पहला देश बन गया है। इस सफलता को और बड़ा आयाम देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे मानवता की कामयाबी बताया। उनका यह कथन महत्त्वपूर्ण है कि यह कामयाबी इस बात का संकेत देती है कि विकासशील देश भी इसी तरह की बड़ी कामयाबियां हासिल कर सकते हैं। यह हकीकत है कि इस सफलता पर पूरी विकासशील दुनिया में खुशी देखी गई है। इस ओर ध्यान खींचा गया है कि चंद्रमा पर शोध के अभियान में इस समय जो तीन देश प्रमुखता से जुटे हुए हैं, वे सभी यानी भारत, रूस और चीन विकासशील देशों के उभरते मंच ब्रिक्स के सदस्य हैं। यह सचमुच दुनिया के इतिहास में एक नया अध्याय है, जब विकासशील देश दर्शक नहीं, बल्कि बारीक वैज्ञानिक गतिविधियों की पात्र बन कर उभरे हैं। भारत ने यह सफलता लंबे प्रयास और स्वतंत्रता के बाद तुरंत सत्ता में आए नेतृत्व की दूरदेशी के बूते हासिल की है। यह सफलता अनेक रुकावटों को पार करते हुए प्राप्त की गई है। यह गौरतलब है कि जब चंद्रयान-1 अभियान सफल हुआ था, तब 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद पश्चिमी देशों की तरफ से भारत पर लगाए गए कई तकनीकी प्रतिबंध अभी भी लागू थे। तब से आज तक भारत काफी आगे बढ़ा है। यह सचमुच गर्व का विषय है।

'मुफ्त की रेवड़ी' पर राज्यों में चुनाव

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इस बार के चुनाव की खास बात यह है कि राज्यों में चुनाव 'मुफ्त की रेवड़ी' यानी कथित कल्याणकारी योजनाओं पर लड़े जा रहे हैं। चुनाव में कोई वैचारिक मुद्दा नहीं है, कोई विचारधारात्मक मुद्दा नहीं है। न कोई राजनीतिक मुद्दा है। यह बहुत दिलचस्प और कुछ हद तक दुखद है कि लोकतंत्र में इस तरह का चुनाव हो रहा है। लेकिन आम आदमी पार्टी के भारतीय राजनीति में उभार के बाद जिस तरह से विचारधारा की बजाय गवर्नेंस की चर्चा महत्वपूर्ण हुई और दीर्घावधि की बड़ी योजनाओं की बजाय तात्कालिक लाभ दिलाने वाली 'मुफ्त की रेवड़ी' बांटने की योजनाओं को गवर्नेंस मान लिया गया तो अंततः राजनीति को इस परिणति तक पहुंचना ही थी। इससे पहले कभी इतने बड़े पैमाने पर और लगभग सभी पार्टियों द्वारा एक जैसी राजनीति नहीं हुई होगी। हर जगह कुछ न कुछ मुद्दे होते थे और उनके साथ कथित कल्याणकारी योजनाओं का तड़का लगता रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 'नमक खाने' वाले मतदाताओं के भरोसे लड़े हैं लेकिन वह मुख्य या इकलौता मुद्दा नहीं था।

इस बार राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना चारों राज्यों में मुफ्त की रेवड़ी मुख्य मुद्दा है। जिसकी सरकार है उसने खजाने का मुंह खोला हुआ है और जिसको जो चाहिए वह बांट रहा है। जो विपक्ष में है वह सरकार बनने पर चांद-सितारे लाकर देने के वादे कर रहा है। दोनों में होड़ मची है कि कौन कितना बांट सकता है या कितना बांटने का वादा कर सकता है। कुल मिला कर चुनाव इसी पर होना है। बाकी सारी चीजें द्वितीयक या पूरक हैं। संगठन की भूमिका, उम्मीदवारों का चयन, प्रचार की रणनीति आदि सब हैं लेकिन उनकी उतनी भूमिका नहीं है, जितनी 'मुफ्त की रेवड़ी' की है।

पहले यह देखें कि विचारधारा की सीमा किस तरह से इस चुनाव में मिट गई है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से ज्यादा मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री पद के दावेदार कमलनाथ मंदिरों और बाबाओं के चक्कर काट रहे हैं। भाजपा के नेता और उसका परोक्ष समर्थन करने वाले धर्मगुरू तो अभी वादा ही कर रहे हैं कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाएंगे लेकिन कमलनाथ के लिए भारत ऑलरेडी हिंदू राष्ट्र है। उन्होंने कहा है कि भारत में 82 फीसदी आबादी हिंदू है तो अब दूसरा हिंदू राष्ट्र क्या होता है। सो, धर्मनिरपेक्ष और कट्टरपंथी राजनीति के बीच की जो सीमा थी वह कमलनाथ ने मिटा दी है। भाजपा नेताओं की तरह वे भी बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री का स्वागत कर रहे हैं और उनके चरणों में बैठ रहे हैं। वे भी राष्ट्रवाद के वैसे ही नारे लगा रहे हैं, जैसे भाजपा के नेता लगा रहे हैं।

उधर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी पीछे नहीं हैं। उन्होंने गर्व से ऐलान किया है कि गाय और राम कांग्रेस के थे, जिसे भाजपा ने हथिया लिया था लेकिन अब उन्होंने गाय और राम दोनों का मुद्दा वापस छीन लिया है। बघेल ने गोधन इम्पोरियम बनवाया है तो राम वन गमन पर्यटन सर्किट भी बनवा रहे हैं। उनके राज्य में चर्च के खिलाफ उग्र प्रदर्शन हुए, रैलियां निकाली गईं, लेकिन बघेल कथित नरम हिंदुत्व के रास्ते पर चलते रहे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव तो मंदिरों को दान देने के लिए जाने ही जाते हैं। पिछले साल ही उन्होंने लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर का पुनर्निर्माण कराया, जिस पर सरकारी खजाने से 18 सौ करोड़ रुपए खर्च किए। मंदिर के लोकार्पण के मौके पर हजारों ऋत्विक और तीन हजार सहायकों ने भगवान को प्रसन्न करने के लिए अनुष्ठान किए। चंद्रशेखर राव निजी तौर पर भी मंदिरों में करोड़ों रुपए के दान करते हैं। सो, कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति के नेताओं में धर्म की राजनीति में भाजपा को मात देने की होड़ लगी है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ धर्म की राजनीति पर विचारधारा छूटी है। जातियों की राजनीति भी सबकी एक जैसी है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछड़ी जाति का होने की अपनी पहचान को राजनीतिक हथियार बनाए हुए हैं तो छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी पिछड़ी जाति का होने के आधार पर राजनीति साध रहे हैं। भाजपा को इनकी राजनीति का जवाब देने के लिए इसी तरह की राजनीति करनी पड़ी रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से साढ़े 13 हजार करोड़ रुपए के विश्वकर्मा योजना का ऐलान किया। अगले ही दिन कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दी और मीडिया में बताया गया कि लोहार, बढ़ई, नाई जैसी अत्यंत पिछड़ी जातियों की मदद के लिए यह योजना लाई गई है। विपक्षी पार्टियों की मंडल राजनीति के बरक्स यह भाजपा की राजनीति है।

धार्मिक और सामाजिक मुद्दों पर सबकी विचारधारा एक जैसी है तो आर्थिक मुद्दों पर भी कोई मतभेद नहीं है। देश के सबसे विवादित कारोबारी गौतम अडानी ने राजस्थान में 60 हजार करोड़ रुपए निवेश करने की योजना का ऐलान किया तो राज्य की कांग्रेस सरकार ने बाहें फैला कर उनका स्वागत किया। छत्तीसगढ़ में अडानी को खनन का पट्टा देने और खनन का रास्ता साफ करने के लिए हसदेव अरण्य को काटने की मंजूरी देने में भी सरकार को समय नहीं लगा। कॉरपोरेट की पूंजी से ही मध्य प्रदेश में कमलनाथ चुनाव लड़ रहे हैं तो तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव भी उसी पूंजी से चुनाव लड़ रहे हैं।

विचारधारा के स्तर पर सारी पार्टियां एक हो गई हैं इसलिए 'मुफ्त की रेवड़ी' के मामले में होड़ मची है। इसमें सब एक दूसरे को पीछे छोड़ने में लगे हैं। असली रचनात्मकता इसी में दिख रही है कौन किसको क्या देने की घोषणा कर देता है। अरविंद केजरीवाल पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के दौरे पर गए तो उन्होंने नौ गारंटियों की घोषणा की। उन्होंने तीन हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता और हर वयस्क महिला को एक हजार रुपए स्त्री सम्मान राशि के तौर पर देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जनता उनको मौका दे तो वे हर परिवार को तीन सौ यूनिट बिजली फ्री देंगे। इस तरह की सारी घोषणाएं मध्य प्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस के नेता कर चुके हैं। असल में कांग्रेस ने कर्नाटक में यह दांव बहुत कायदे से आजमाया था। वहां मुफ्त की बिजली, मुफ्त की बस यात्रा और मुफ्त में 10 किलो अनाज के साथ साथ महिलाओं और बेरोजगारों को हर महीने नकद देने की गारंटी कांग्रेस ने दी थी, जिसका उसका फायदा मिला। सो, वहां की सारी गारंटियां इन पांचों चुनावी राज्यों मे दी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मुफ्त की रेवड़ी' को देश की अर्थव्यवस्था को बरबाद करने वाला बताते रहे हैं लेकिन कांग्रेस की देखा-देखी उनकी पार्टी की सरकारें भी लगातार ऐसी योजनाओं की घोषणा कर रही हैं। महिलाओं को नकद पैसे देने की कांग्रेस की योजना की काट के तौर पर मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान सरकार ने लाड़ली बहन योजना की घोषणा करके पैसे बांटने शुरू भी कर दिए।

असल में राजनीतिक दलों को समझ में आ गया है कि जनता को अब विचारधारा या राजनीतिक मुद्दों से कोई मतलब नहीं है। वह जाति या धर्म के नाम पर वोट करेगी या 'मुफ्त की रेवड़ी' के नाम पर। इसलिए सिर्फ इसको आजमाया जा रहा है।

अगर कांग्रेस के एकछत्र राज के समय को छोड़ दें तो आमतौर पर हर चुनाव में सत्ता बदलने का ट्रेंड रहा है। लोग अलग अलग पार्टियों को आजमाते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से प्रो इनकम्बैंसी का चलन बढ़ा है। यानी सत्ता समर्थन की लहर चलती है और मुफ्त की योजनाओं से प्रभावित होकर जनता एक के बाद एक ही सरकार को चुनती जाती है। इसमें धर्म और जाति का भी कुछ हाथ होता है। इसके कुछ अपवाद भी हैं लेकिन जब से 'मुफ्त की रेवड़ी' बांटने का चलन बढ़ा है तब से राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियों के जीतने का सिलसिला भी बढ़ गया है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, शुक्रवार
25 अगस्त 2023

फर्जी दस्तावेज बनाकर डमी ओनर खड़ा करके दुकान और मकान बेचने वाला एजेंट

उबैदुल्लाह और उसके गिरोह द्वारा की जा रही है गरीब लोगों के साथ बड़े पैमाने पर ठगी

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा शहर में अगर आपको दुकान या मकान खरीदना है या हेवी डिपॉजिट पर लेना है तो कृपया सावधान हो जाए क्योंकि एजेंट उबैदुल्लाह और उनके गिरोह मुंब्रा में सक्रिय है जिसके चलते यह गिरोह मासूम भोले भाले गरीब लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना रहा है इनके द्वारा की गई ठगी के दो मामले सामने आए हैं आपको बताते चले पीड़ित तवाब अली रहवासी भिंडी बाजार मुंबई के भतीजे मोहम्मद हफीजुल्लाह और उनके रिश्तेदार मुमताज भाई द्वारा एजेंट उबैदुल्लाह और उसके गिरोह द्वारा मकीता गार्डन बी विंग शॉप नंबर 2 करिश्मा अपार्टमेंट के सामने दादी कॉलोनी अमृत नगर मुंब्रा में दुकान का सौदा आठ लाख में तावाब अली से किया गया जिसमें छे लाख रुपए की रकम दी गई और बकाया दो लाख लाइट मीटर प्रॉपर्टी टैक्स मेंटेनेंस रिपेयरिंग के काम सब ट्रांसफर करने के बाद दी जाएगी फिर दुकान का ताबा तवाब अली के हाथ में आ गया तीन महीने तक ताबा हाथ में रहने के बाद अचानक एजेंट उबैदुल्लाह द्वारा दूसरा ताला दुकान में लगा दिया गया मामला अमृत नगर बीट चौकी पहुंचा उसके बाद सारे कागजात देखने के बाद दुकान का तबा तवाब अली को दिला दिया गया लेकिन इस मामले में दूसरा मोड तब आया जब उसी दुकान का दावेदार सामने आया और कहने लगा यह दुकान मेरी है फिलहाल दोनों

पीड़ित तवाब अली मोहम्मद यूसुफ | पीड़ित मोहम्मद नदीम शेख | ठग उबैदुल्लाह काजी

के पास उसी दुकान के कागजात देखे जा रहे हैं एक तरफ तवाब अली के पास बिल्डर आजाद चुगले का बना हुआ एग्रीमेंट थंब और साइन के साथ नजर आ रहा है और दूसरे दावेदार के पास भी उसी दुकान के कागजात है फिलहाल इस मामले में तवाब अली और उसके भतीजे मोहम्मद हफीजुल्लाह द्वारा यह बताया जा रहा है कि हमारे साथ में एजेंट उबैदुल्लाह और उसके गिरोह द्वारा फर्जी कागजात बनाकर डमी ओनर खड़ा करके हमारे साथ धोखाधड़ी की गई है और हमसे छे लाख रुपया नकद दो बार करके लिया गया है पहली बार तीन लाख दूसरी बार तीन लाख का चेक देने के बावजूद भी हमें चेक वापस दे दिया गया यह कहकर कि मेरी मां का इंतकाल हो गया है और मेरा बैंक में कोई मामला चल रहा है यह कहकर हमसे तीन लाख नकद वकील साहब के कार्यालय में ले लिए गए जिसकी हम लोगों ने वीडियो भी बनाया है इस मामले से यह सिद्ध होता है कि एजेंट उबैदुल्लाह और उसके गिरोह द्वारा फर्जी दुकान के कागजात बनाकर तवाब अली को अपनी ठगी का शिकार बनाया गया है फिलहाल मुंब्रा पुलिस द्वारा मामले की छानबीन की जा रही है अब देखना यह है की पुलिस की छानबीन मैं सच्चाई क्या निकाल कर आती है गौरतलब बात तो यह है ठग एजेंट उबैदुल्लाह काजी का एक और ठगी का मामला सामने आया है नदीम शेख रहवासी कादरी कॉलोनी कौसा का बताया जा रहा है यह पीड़ित को भी ठग उबैदुल्लाह ने अपनी ठगी का शिकार बनाकर मकिता गार्डन इमारत का तीन मंजिला रूम नंबर 305 शिया ट्रस्ट का रूम दिखाकर 5 लाख में सौदा करके डमी ऑनर खड़ा करके फर्जी बिल्डर के कागजात बनाकर दो लाख की ठगी डेढ़ साल पहले की गई थी और अभी तक पीड़ित नदीम शेख की रकम वापस नहीं दी गई है बताया जा रहा है ऐसे कई लोग हैं जिन लोगों को एजेंट उबैदुल्लाह और उसके गिरोह द्वारा अपनी ठगी का शिकार बनाकर गरीब लोगों की जिंदगी भर की खून पसीने के साथ कमाई गई रकम को ठगा जा रहा है और ठग अपनी जिंदगी ऐश मौज के साथ गुजार रहे है फिलहाल मुंब्रा पुलिस से निवेदन है कि मामले की निष्पक्षता से जांच की जाए और ठगी करने वाले गिरोह को उसके अंजाम तक पहुंच जाए ताकि दूसरे ठग उनसे नसीहत लेकर सबक ले सके और गरीब लोगों को अपनी ठगी का शिकार नहीं बना सके और मुंब्रा पुलिस से यह भी निवेदन किया जाता है कि जो भी एजेंट बिना लाइसेंस के गैर कानूनी तरीके से मकान को और दुकान को खरीदा या बेचा जा रहा है उन दलालों के विरुद्ध में सख्त कार्रवाई की जाए ताकि कोई भी गरीब इंसान इन ठगो का शिकार न बन सके इस ठग एजेंट उबैदुल्लाह काजी से मकिता गार्डन इमारत की रहवासियों में इतना डर और खौफ पैदा हो गया है कि उन लोगों को लगता है अगर हम अपना घर बंद करके दो-तीन महीने के लिए कहीं चले जाए तो यह ठग उबैदुल्लाह हमारा भी घर बेच देगा इमारत के तमाम रहवासियों द्वारा मुंब्रा पुलिस स्टेशन में लिखित रूप से शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है और यह कहां गया है की ठग उबैदुल्लाह हमारी इमारत में नहीं चाहिए फिलहाल उबैदुल्लाह काजी ने उसे पर लगे तमाम आरोपों का खंडन किया है।

इंजीनियरिंग की परीक्षा में फेल हुआ छात्र, घर में फांसी लगाकर कर ली खुदकुशी

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अस्पताल भेजा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में इंजीनियरिंग के एक छात्र ने परीक्षा में असफल होने पर अपनी जान दे दी। यह दुखद घटना नागपुर शहर के पचपावली पुलिस थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस ने बताया कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे 25 वर्षीय छात्र ने कथित तौर पर परीक्षा में कुछ विषयों में कम नंबर मिलने के बाद खुदकुशी कर ली। मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक छात्र इंजीनियरिंग के छठे सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित होने के बाद से तनाव में था। कथित तौर पर इसीलिए उसने अपने घर पर फांसी लगा ली। पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर

लिया है और आगे की जांच जारी है। पचपावली पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि छात्र के पिता ने बुधवार सुबह करीब पांच बजे उसे वैशाली नगर उद्यान के पास अपने घर में छत के पंखे से रस्सी के सहारे लटका हुआ पाया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को अपने माता-पिता के साथ खाना खाने के बाद छात्र सोने के लिए अपने कमरे में चला गया था। उसके पिता ने बाद में उसे पंखे से लटका हुआ पाया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अस्पताल भेजा। पुलिस ने बताया कि मृतक छात्र नागपुर शहर के ही एक निजी कॉलेज में इंजीनियरिंग की चतुर्थ वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। पुलिस ने शुरूआती जांच में पाया कि छात्र छठे सेमेस्टर की परीक्षा के कुछ विषयों में फेल हो गया था। उसके पिता एक सरकारी विभाग में क्लर्क के तौर पर काम करते हैं।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र पर कब मेहरबान होगा मॉनसून?

साथ ही सितंबर के पहले सप्ताह में भी स्थिति ऐसी ही बनी रहने की संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग ने सितंबर के दूसरे और तीसरे सप्ताह में औसत से अधिक बारिश होने की की भविष्यवाणी की है। 8 सितंबर से 21 सितंबर तक महाराष्ट्र में औसत या इससे ज्यादा बारिश देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग ने बारिश की वापसी को लेकर अभी कोई भविष्यवाणी नहीं की है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए मॉनसूनी बारिश की वापसी के बारे में कोई भविष्यवाणी नहीं की है। आम तौर पर बारिश की वापसी सितंबर के आखिरी सप्ताह में शुरू होती है। हालांकि, वर्तमान में इसके लिए कोई अनुकूल वातावरण बनता नहीं दिख रहा है। महाराष्ट्र में सितंबर के महीने में यदि अच्छी बारिश हुई तो किसानों को काफी फायदा हो सकता है। अभी के हालत को देखें तो अगस्त महिना शुष्क ही रहा है। राज्य में बारिश में 58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। अगस्त की शुरूआत से अब तक महाराष्ट्र में सामान्य 207.1 मिमी के मुकाबले महज 86.4 मिमी बारिश हुई है। दिलचस्प बात यह है कि महाराष्ट्र में जुलाई महीने में अच्छी बारिश हुई, जिस वजह से मॉनसून की शुरूआत के बाद से अब तक राज्य में केवल 7 प्रतिशत की बारिश की कमी दर्ज की गई है। अब तक, महाराष्ट्र में सामान्य 741.10 मिमी के मुकाबले 692.70 मिमी बारिश हुई है।

मुंबई में स्वाइन फ्लू ने बढ़ाई टेंशन

संक्रामक रोग विशेषज्ञ का कहना है कि बरसात के मौसम में स्वाइन इन्फ्लूएंजा का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए सही समय पर लक्षणों के अनुसार इलाज करवाना जरूरी है। यदि मौसमी फ्लू जैसे लक्षण वाले रोगी को दो दिन में आराम न मिले तो उसे तुरंत बेहतर इलाज शुरू कर देना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि मुंबई में एच1एन1 रोगियों की संख्या में लगातार वृद्धि होना चिंताजनक है। एच1एन1 इन्फ्लूएंजा वायरस के मामले में लापरवाही खतरनाक साबित हो सकती है। क्योंकि यह श्वसन तंत्र से जुड़ी संक्रामक बीमारी है। जब कोई स्वाइन फ्लू मरीज दूसरे व्यक्ति के संपर्क में आता है, तो उसे भी ये बीमारी होने की आशंका रहती है। स्वाइन फ्लू एक संक्रामक सांस की बीमारी है और यह एक व्यक्ति से दूसरे में आसानी से फैलता है। ज्ञात हो इसके मरीजों में भी आम फ्लू जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। कई मामलों में संक्रमित व्यक्ति की सांस भी फूलती है, शरीर दर्द के साथ कमजोरी महसूस होती है।

नहीं माने महाराष्ट्र के किसान

एक अधिकारी ने बताया कि किसानों ने जिले के देहात इलाके चंदवाड़ में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्य सड़क लगभग डेढ़ घंटे तक बाधित रही। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया। प्याज उत्पादन किसानों व व्यापारियों का निर्यात शुल्क के खिलाफ नासिक में सोमवार से आंदोलन चल रहा है। नासिक के लासलगांव येओला बाजार के बंद होने पर कृषि उपज बाजार समिति के अध्यक्ष किसन ढांगे ने कहा, किसानों ने रास्ता रोका और कहा कि नेफेड को 2410 रुपये प्रति क्विंटल का भाव देना होगा। हालांकि नेफेड ने अभी नासिक जिले में प्याज की खरीदारी शुरू नहीं की है। किसानों ने निर्णय लिया है कि जब तक उन्हें 2410 रुपये रेट नहीं मिलेगा, तब तक बाजार बंद रहेगा। इस मामले पर हम मंत्री छगन भुजबल से बात करेंगे और फिर कोई फैसला लेंगे। मालूम हो कि प्याज उत्पादन के लिए मशहूर नासिक जिले में प्याज कारोबारी 40 फीसदी निर्यात शुल्क लगाये जाने के खिलाफ है। इसके विरोध में सोमवार से मंडियों में थोक बिक्री के लिए नीलामी बंद कर दी थी। जिसके बाद केंद्र सरकार ने ऐलान किया है कि 2,410 रुपये क्विंटल के भाव पर 2 लाख मीट्रिक टन प्याज खरीदेगी। इस घोषणा के बाद कुछ मंडियों में विशेष खरीद केंद्र खोले गए है। आगामी त्योहारी सीजन से पहले देश में टमाटर के बाद कहीं प्याज के दाम आसमान पर नहीं पहुंच जाये, इसलिए केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 फीसदी निर्यात शुल्क लगाने का फैसला किया। जिससे देश में प्याज की उपलब्धता अधिक हो सके।

ऑपरेशन लोटस 2 बार हुआ फेल...

जिसके बाद शरद पवार की पार्टी दो धड़ों में बंट गई है। तब से ही एनसीपी में 'विभाजन' राजनीतिक चर्चा का सबसे बड़ा विषय बना हुआ है। अजित पवार ने बीजेपी के साथ जाने का फैसला क्यों किया? इसके कारण क्या हैं? ऐसे कई सवाल उठ रहे हैं। इस बीच, सुप्रिया सुले ने एक अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा, हमारा देश एक लोकतांत्रिक देश है और अजित पवार ने लोकतंत्र में रहने वाले एक नागरिक के तौर पर अपना फैसला लिया है। मैं नहीं बता सकता कि वे वापस आएंगे या नहीं। लेकिन हम परिवार को एकजुट रखने की पूरी कोशिश करेंगे। सुप्रिया सुले ने इस टिप्पणी के जरिए संदेश दिया है कि राजनीति में चाहे कुछ भी हो जाए, पवार परिवार हमेशा एक परिवार की तरह साथ रहेगा।

सैयद खालिद कैस को मीडिया के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मिला मानद डॉक्टरेट उपाधि

डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित होना एक बेहद सुखद अहसास: सैयद खालिद कैस

सैयद रिजवान अली मुंबई हलचल

मुंबई। पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध अखिल भारतीय पत्रकार संगठन प्रेस क्लब आफ वर्किंग जर्नलिस्ट के संस्थापक अध्यक्ष, न्यूज हंट मीडिया एंड पब्लिकेशन के प्रबंध निदेशक, जाने माने अधिवक्ता, मानवता के प्रवर्तक सैयद खालिद कैस को 'द थेम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी पेरिस फ्रांस' द्वारा पत्रकारिता एवं मीडिया के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'ऑनरिस कॉउसा' डॉक्टरेट मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। श्री कैस को यह सम्मान गत दिनों मुंबई महाराष्ट्र में संपन्न एक गरिमामय समारोह में संस्था के अधिकृत पदाधिकारी द्वारा प्रदान किया गया। श्री कैस की यह मानद उपाधि पंच कोशा थेरेपी की जनक,आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान की संवाहक तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की ख्याति प्राप्त 'ईश्वरा लाइफ साइंसेस' की प्रबंध निदेशक डॉक्टर सुवि स्वामी के मार्गदर्शन एवम सहयोग के फलस्वरूप प्राप्त हुई है।

गौरतलब हो कि इस महत्वपूर्ण उपाधि द्वारा सैयद खालिद जी का अभिनंदन प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स पंजीकृत के राष्ट्रीय अधिवेशन व कैंसर मरीजों की माता डॉ. सुवि स्वामी के प्रोडक्ट लॉन्च कार्यक्रम के दरम्यान संपन्न हुआ। इस संपूर्ण कार्यक्रम की सूत्रधार पी सी डब्ल्यू जे के संरक्षक उद्योगपति मनीष स्वामी व अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कैंसर थेरेपिस्ट डॉ सुवि स्वामी थे। श्री सैयद खालिद कैस जी विगत 30 वर्षों से पत्रकारिता से जुड़े हुए है। व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सम्पादक न्यूज हंट मीडिया एण्ड पब्लिकेशंस समूह सम्पादक खबरें आज तक लाइव न्यूज समूह सम्पादक :NDTV 18 LIVE NEWS, सम्पादक : भोपाल केसरी लाइव न्यूज, स्वामी सम्पादक एवं प्रकाशक : राष्ट्रीय हिन्दी मासिक द क्यूरी सम्पादक : राष्ट्रीय हिन्दी त्रिमासिक कायनात टूडे सम्पादक : राष्ट्रीय हिन्दी मासिक कायनात टूडेसम्पादक : राष्ट्रीय हिन्दी मासिक केहकशां ए हिन्द सहित वर्किंग जर्नलिस्ट टाइम्स समाचार पत्र के समूह संपादक भी है।

कार्यक्रम में देश भर से आए क्रांतिकारी पत्रकार साथियों की मौजूदगी में संपन्न इस अधिवेशन के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री रामदास आठवले थे, विशिष्ट अतिथि के रूप में फिल्म निमार्ता निर्देशक श्री रवीन्द्र अरोरा, स्वयं ईश्वरा लाइफ साइंसेस की डायरेक्टर डॉ सुवि स्वामी, सहित चरित्र अभिनेता सुनील पॉल थे। कार्यक्रम के सफल संचालन का दायित्व संगठन की राष्ट्रीय संगठन महासचिव श्रीमति शशि दीप ने बखूबी निभाया।

सैयद खालिद कैस जी को डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर संपूर्ण पत्रकार जगत व एडवोकेट बिरादरी सहित प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स परिवार अत्यंत गौरवांवित है। डॉक्टरेट उपाधि के पश्चात एक साक्षात्कार में डॉ खालिद के भावुक हृदय के उद्गार निकले कि उनके नाम के आगे डॉ देखना उनके पूज्य पिता का एक सपना था जो उनके जाने के एक दशक बाद अब पूरा हुआ है इस उपाधि के लिए ईश्वरा लाइफ साइंसेस की फाउंडर डॉक्टर सुवि स्वामी तथा मनीष स्वामी के प्रति आभार व्यक्त किया।

कनिष्ठ अभियंताओं द्वारा कार्य का बहिष्कार चौथे दिन भी जारी, सरकार द्वारा कोई सुनवाई नहीं

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान (राजकुमार गोयल) वेतन विसंगति दूर करने की मांग को लेकर सोमवार से जारी कनिष्ठ अभियंताओं का सामूहिक अवकाश चौथे दिन भी जारी रहा। पॉवर इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के बैनर तले जयपुर चल रहे धरने में लगभग 2000 जेईएन मौजूद रहे। विद्युत निगमों में 4500 जेईएन निरंतर कार्य बहिष्कार कर राज्य सरकार से लगातार वेतन विसंगति दूर करने की मांग कर रहे हैं। प्रदेश संयुक्त सचिव नितिन जोशी ने बताया कि कनिष्ठ अभियंता विगत 12 वर्षों से निरंतर संघर्ष कर रहे हैं परन्तु अभी तक सिर्फ आश्वासन देकर वादाखिलाफी की जाती रही है। राज्य सरकार ने बजट में बिंदु संख्या 155 पर एसीपी के स्थान पर पदोन्नति पद का

वेतनमान देने की घोषणा की है परन्तु अभी तक वह भी क्रियान्वित नहीं हुई है। इससे सभी अभियंताओं में रोष व्याप्त है। अब इस आंदोलन को कई जिलों से सहायक और अधिशाषी अभियंताओं का भी समर्थन मिलने लगा है। कई जिलों से जल्द बजट घोषणा लागू ना होने तथा वेतन विसंगति दूर नहीं होने पर सामूहिक अवकाश पर जाने का निर्णय लिया है। बिजली इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ जोधपुर डिस्कॉम ने भी आंदोलन का समर्थन करते हुए कल से कार्य बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। राज्य सरकार की ओर से अभी तक कोई पहल नहीं की गई है इस अनसुनी से आहत अभियंताओं ने कहा कि यह अनिश्चितकालीन धरना मार्गे पूरी नहीं होने तक जारी रहेगा।

बाढ़ की चपेट में आये कानपुर के 11 गांव, राहत में जुटा प्रशासन

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। वहां गंगा के उफान के चलते बाढ़ पीड़ितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अब तक अपस्ट्रीम में भोपाल का पुरवा, बनियापुरवा, भगवानदीनपुरवा, धल्लापुरवा, गिन्नीपुरवा, लक्ष्मणपुरवा और भरतपुरवा में पानी घुस चुका हैं। डाउनस्ट्रीम में पानी चैनपुरवा, धरमखेड़ा, दिगिनापुरवा और पहाड़ीपुर में पानी पहुंच चुका है। कई परिवारों को कांशीराम स्थित प्राथमिक विद्यालय में शिफ्ट किया गया है। यहां खतरे के बिंदु को पार कर चुकी गंगा किनारे बसे 11 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। हालातों को देखते हुए 15 परिवारों को गांवों से बाढ़ राहत शिविर में शिफ्ट किया गया। इस बीच जिलाधिकारी विशाख जी ने गांवों का निरीक्षण भी किया। कुल मिलाकर यहां लगातार जलस्तर बढ़ने से गांवों का संपर्क सड़क मार्ग से टूट गया है। गंगा नदी पिछले एक सप्ताह से उफान पर है। गंगा बैराज पर हर दिन हरिद्वार और नरौरा से करीब तीन लाख क्यूसेक पानी पहुंच रहा। वहीं कल बुधवार को गंगा खतरे के निशान से 50 सेमी. ऊपर बह रही थी। अभी तक चार गांव ही प्रभावित थे, लेकिन बीते मंगलवार रात जलस्तर बढ़ने से सात गांवों में पानी घुस गया। फसल के अलावा घरों तक पानी पहुंच गया है। चैनपुरवा, भोपाल का पुरवा और भगवान दीनपुरवा में हालात खराब हैं। दूसरी ओर जिलाधिकारी ने राहत शिविर के निरीक्षण के दौरान पीड़ित परिवारों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया। मेडिकल हेल्थ किट भी उपलब्ध कराई। परिवारों को खाना, पानी समेत अन्य आवश्यक सामग्री भी वितरित की गई। इसबीच लगातार जलस्तर बढ़ने से गांवों का संपर्क सड़क मार्ग से टूट गया है।

- सड़क मार्ग से टूटा कई गांव का संपर्क
- राहत कार्य में जुटा जिला प्रशासन

पदमपुर के ग्राम पंचायत 19 बीबी में नरेगा में मेट ने परिवार के सदस्यों के जॉब कार्ड भरकर भुगतान उठाया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। श्रीगंगानगर (पुष्पा भाटी) ग्राम पंचायत 19 बीवी में नरेगा मेट् द्वारा अपने खुद के जॉब कार्ड से अपने परिवार के सभी सदस्यों के नाम भरने का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत 19 बीवी के गांव 5ईई ए में नरेगा मेट अवतार सिंह द्वारा अपने जॉब कार्ड से हर बार तीन सदस्यों के नाम भरकर हर बार नरेगा का पैसा उठाया जा रहा है बल्कि बाकी श्रमिकों का सिर्फ एक जॉब कार्ड से सिर्फ एक नाम ही भरा जा रहा है अब बाकी श्रमिकों का कभी कहना है कि अगर नरेगा मेट अपने तीन सदस्यों का नाम भर सकता है तो दूसरे श्रमिकों के साथ ऐसा न्याय क्यों कर रहा है मेट अवतार सिंह आज का ही नहीं बल्कि पिछले 2 साल से ऐसा ही कर रहा है अगर दूसरे नरेगा श्रमिक अपने दो सदस्यों का नाम नरेगा में भरवाना चाहते हैं तो मेट उन्हें बिल्कुल मना कर रहा है बल्कि अपने सभी सदस्यों का नाम वह नरेगा में भरकर जल्दी-जल्दी से नरेगा की राशि उठा लेता है।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के ताज व्यू गार्डन की दोनों यूनिटों के श्रमिकों को 18 महीनों से वेतन नहीं मिला

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान राजकीय ताज व्यू गार्डन की दोनों यूनिटों का रखरखाव उद्यान विभाग के द्वारा किया जाता हैं। रखरखाव/मेंटीनेंस का बजट आगरा विकास प्राधिकरण उद्यान विभाग आगरा को देता है। उद्यान विभाग के कर्मचारी संघ के जिला संरक्षक तथा किसान नेता सोमबीर यादव ने अधिकारियों की चौखट पर कई बार की फरियाद। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग निदेशालय ने तीन जगहों पर पदस्थ कर कार्यभार डॉ. संजीव कुमार वर्मा मण्डलीय उपनिदेशक /अधीक्षक आगरा /जिला उद्यान अधिकारी फिरोजाबाद तीन जगहों का कार्यभार ग्रहण करा दिया है। लेकिन एक जगह पर ठीक से कार्यभार संभाल नहीं पा रहे हैं। विभागीय कार्यप्रणाली की शिथिलता का खामियाजा चतुर्थ श्रेणी दैनिक श्रमिक कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। अपना हक और अधिकार मांगने पर उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के उपनिदेशक डॉ संजीव कुमार वर्मा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सेवा समाप्त करने की देते हैं धमकियां। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी उद्यान विभाग राज्य कर्मचारी संघ के जिला संरक्षक एवं किसान नेता सोमबीर यादव ने कहा हैं।

कि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के आगरा मण्डल आगरा के उपनिदेशक को विभागीय कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर कई बार ज्ञापन के माध्यम से तथा मौखिक रूप से अवगत कराया गया लेकिन उद्यान विभाग के अधीक्षक व उपनिदेशक आस्वाशन ही देते रहे हैं। परन्तु वेतन भुगतान आज तक नहीं किया गया। अब ऐसा प्रतीत होता है कि आगरा विकास प्राधिकरण के द्वारा दिये गए बजट को उद्यान विभाग ने अन्य किसी मद में खर्च कर लिया हो।

लेकिन दैनिक श्रमिकों का वेतन भुगतान समय से किया जाना चाहिए। किसान मजदूर नेता सोमबीर यादव ने कहा है कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को अपनी घर गृहस्थी चलाने व बच्चों को शिक्षा दिलाने एवं रोटियों के लाले पड़ रहे हैं। अगर जल्द कर्मचारियों को वेतन भुगतान रक्षाबंधन के त्योहार तक नहीं हुआ तो कर्मचारी संघ आंदोलन करने को मजबूर होगा। जिसकी जिम्मेदारी उद्यान विभाग की होंगी। उक्त जानकारी किसान मजदूर नेता सोमबीर यादव ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

भीलवाड़ा में पत्रकारों को आवासीय भूखंड आवंटन को लेकर राजस्व मंत्री राम लाल जाट ने कलेक्टर से चर्चा की

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान भीलवाड़ा में आवासीय भूखंड से वंचित स्थानीय पत्रकारों को नगर विकास न्यास से रियायती दर पर विशिष्ट आवास योजना के तहत भूखंड आवंटन की मांग को लेकर पत्रकार हित कमेटी के सदस्यों ने जिले के वरिष्ठ नेता एवं राजस्व मंत्री रामलाल जाट से बुधवार को स्थानीय सर्किट हाउस में मुलाकात की ओर उन्हें मांग पत्र देकर बताया कि नगर विकास न्यास ने दो चरणों में स्थानीय पत्रकारों को आरक्षित दर पर 50% की छूट के आधार पर आवासीय भूखंड आवंटित किए हैं, मगर वर्तमान में लगभग 50 क्रियाशील पत्रकार अभी भी आवासीय भूखंड से वंचित हैं जिनके के लिए आवंटन प्रक्रिया प्रारंभ की जानी है, राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने पत्रकार

हित कमेटी का मांग पत्र लेकर कलेक्टर से चर्चा की और पत्रकारों की आवास संबंधित समस्या का प्राथमिकता से समाधान करने का आश्वासन दिया। भूखंड संबंधी वार्ता के बाद पत्रकारों की ओर से भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भीलवाड़ा जिले का नेतृत्व करते हुए मंत्री जाट द्वारा राहुल गांधी के साथ किए गए कदमताल की यादगार तस्वीर उन्हें भेंट की गई। इस अवसर पर पत्रकार हित कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र ओरड़िया, जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष व जार के प्रदेश उपाध्यक्ष शहजाद खान, जार के भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष प्रकाश चपलोत एवं उपाध्यक्ष अशोक शर्मा उपस्थित थे। उक्त जानकारी वरिष्ठ पत्रकार एवं जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष शहजाद खान ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

हजरत दीवाना शाह को आज पेश करेंगे चादर-मुस्लिम महासभा

मुंबई हलचल/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द। प्रख्यात सूफी संत कुतबे जमाना हजरत विलायत अली शाह साहब उर्फ दीवाना शाह र.अ. कपासन को आज शुक्रवार को मुस्लिम महासभा की राष्ट्रीय प्रमुख (संस्थापक) फरहीन यूनुस शेख एवम राष्ट्रीय अध्यक्ष ईमरान खान गाजियाबाद की अनुपालन पर राष्ट्रीय सह सचिव जाफर खान फौजदार और राजसमन्द टीम के पदाधिकारियों द्वारा 82 उर्स मुबारक के दौरान चादर पेश कर मुल्क में भाईचारा बना रहे,खुशहाली के वास्ते दुआएँ की जाएगी।

बीकानेर पश्चिम विधानसभा ए ब्लॉक कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ संपन्न

मुंबई हलचल/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र ए ब्लॉक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया इस प्रोग्राम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री बी डी कल्ला प्रोग्राम के अध्यक्ष यशपाल गहलोत विशिष्ट अतिथि जियाउर रहमान, हाजी सलीम सोडा, ओमप्रकाश लोहिया,जावेद परिहार,अता हुसैन कादरी, एडवोकेट असलम,शर्मिला पंचारिया, हजारीमल देवड़ा,राम रतन डेलू, मेराज खान,श्री लाल व्यास थे प्रोग्राम आयोजनकर्ता जाकिर नागौरी ने सभी को साफा पहनाकर सम्मान किया इस सम्मेलन में पश्चिम विधानसभा क्षेत्र ए ब्लाक कार्यकारिणी को कैबिनेट मंत्री के द्वारा नियुक्त पत्र दिए गए शिक्षा मंत्री ने कहा ब्लॉक कार्यकर्ता चुनाव में एक बड़ी ताकत होता है कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने विधानसभा चुनाव में अपनी उम्मीदवारी करने वाले सभी कांग्रेसजन को ब्लॉक के माध्यम से आवेदन देने की प्रतिक्रिया शुरू की है यह कांग्रेस कार्यकताओं का बड़ा सम्मान है यशपाल गहलोत ने कहा राजस्थान सरकार की जितनी भी योजनाएं हैं उनको घर-घर तक पहुंचने में उनका लाभ दिलाने में यही कार्यकरता हमेशा सक्रिय रहते हैं राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा जो राज्य का चहुमुखी विकास हुआ है और आम जन को राहत देने का काम सरकार ने किया है उन योजनाओं से बोखलाकर भारतीय जनता पार्टी के पास अब सिर्फ नफरत फैलाकर अपनी राजनीति करने के अलावा कुछ नहीं बचा यह आरएसएस के लोग भाई को भाई से पड़ोसी को पड़ोसी से और एक दूसरे जाति धर्म के लोगों को लाडवाकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने हैं इसलिए हम सभी कांग्रेस कार्यकताओं को जिम्मेदारी के साथ जनता में जाकर मोहब्बत का पैगाम देते रहना होगा और राजस्थान के सीएम अशोक जी गहलोत को एक बार फिर लाकर राजस्थान में चल रहे विकास के कार्य को पूरा करने के लिए जिम्मेदारी से कांग्रेस कार्यकताओं को लगना होगा जियाउर रहमान ने कहा चुनाव से पहले ऐसे आयोजन होना कार्यकताओं में पार्टी के प्रति ऊर्जा का संचार होता है और जनता के बीच सरकार द्वारा किए गए वादो के जनहित में हुवे काम जनता के सामने रखने का और सरकार द्वारा हो रहे कार्यों से जनता को और लाभान्वित करने के लिए ऐसे मंच आयोजित होने चाहिए साजिद सुलेमानी ने बताया ए- ब्लॉक के सभी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में एक विशेष स्थान रखते हैं इन्हीं के बल पर पार्टी बेहतर तरीके से चुनाव लड़ती है ब्लॉक अध्यक्ष जाकिर नागौरी ने आए हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और कैबिनेट मंत्री बीडी कल्ला व जिला अध्यक्ष यशपाल गहलोत को आश्वासन दिलाया की ब्लॉक में सभी कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट है और ब्लॉक स्तर के कार्यकर्ता चुनाव में आपके नेतृत्व में आपके पीछे एक सेना की तरह काम करेंगे! और घर-घर जाकर कांग्रेस की रीति नीति को बता कर आगामी कांग्रेस की पुनः सरकार बनाने में ब्लॉक अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा इस प्रोग्राम में हजारों की तादाद में जिला कांग्रेस,ब्लॉक कांग्रेस, युवा कांग्रेस,ओ बी सी कांग्रेस,के कार्यकर्ता व सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गांव की तहेजिब से नफरत ना किया कर...

ऐ दोस्त कभी चौपाल में।
बूढ़ों की कहानी भी सुना कर।

उपर से छाया हुआ और चारों ओर से खुला स्थान,जहां देहात के लोग बैठ कर बात चीत, विचार विमर्श आदि करते है।चौपाल वोह स्थान होता है जहां पर लोग एकत्रित हो कर बात चीत और मनोरंजन करते हैं। चारो ओर से खुला छायादार स्थान जिसे चौपाल कहा जाता है। यहीं पर गांव के लोग एक दूसरे के दुःख दर्द और खुशियां बांटते हैं। कुछ लोग काम काज से रिटायर्ड हो चुके है। इन की संतान अब खेती बाड़ी के काम काज संभालती है। इस प्रकार चौपाल एक ऐसा स्थान भी है जहां लोग पंचायत बिठा कर सरपंच से अपने घरेलू समस्याओं को भी सुलझाते है। यह चौपाल कितना महत्व पूर्ण स्थान होता है इसे एक लघु कथा के हवाले से समझते है। चौपाल में चंद मित्र प्रति दिन बैठ कर गप शप किया करते, यह अब अपने काज काज से निवृत्त हो चुके थे। इन की संतान अब इन के काम संभालती। इन के ग्रुप से एक मित्र अचानक आना बंद हो गया। ज्यादा दिन गुजर गए तो मित्रो को चिंता सताने लगी। एक मित्र ने कहा कल जा कर देखता हूं। जब वोह मित्र उस के घर गया,क्या देखता है के उस का चेहरा मुरझाया हुआ और बीमार लग रहा था।जो मित्र देखने आया था उस की दृष्टि एक अंगेठी पर पड़ी, अंगेठि में कोयले खूब तेज भभक रहे थे,वोह जा कर उस अंगीठी के पास बैठ गया और एक एक कोयला

उस अंगेठी से निकाल कर बाजू में रखने लगा,केवल एक कोयला अंगीठी में रहने दिया।वोह कुछ देर जला और बुझ गया। अब उस ने अपने मित्र को देखा ,मित्र सब समझ गया,और बोला मुझे क्षमा कर दो मैं कल से चौपाल में अवश्य आऊंगा। कहते है ना, रिश्तेदार हैसियत पूछते हैं, संतान वसीयत पूछती है किंतु यह मित्र ही होते है जो खैरियत पूछते है। साथियों अब चौपाल का महत्व सब की समझ में आ गया होगा। अब हम महानगर की बात करते हैं। यहां चौपाल नही होते, यहां क्लब होते है। आप में से बहुत से लोगों ने 'क्लब 60' देखा होगा..? उस फिल्म में फारुख शैख और दीप्ति नवल की कथा भी देखी होगी...? दोनो पति पत्नी डॉक्टर्स थे। अपना अपना कर्तव्य बहुत भली भाती निभा रहे थे, की अचानक उन के जीवन में एक दुखद घटना घटी, उन का जवान पुत्र रोड ऐक्सिडेंट में मृत्यु के मुंह में चला गया। कुछ दिन बाद उस लड़के की मां ने स्वयं को संभाल लिया,लेकिन पिता अपने पुत्र के वियोग में चिंतित और बीमार सा रहेनें लगा, पत्नी ने बहुत समझाया की अपना क्लीनिक संभालो, लेकिन वो डिप्रेशन से बाहर ही नहीं आ रहा था। एक रोज उस के मित्र ने जबरदस्ती उसे क्लब ले गए। वहां चंद नए मित्रों से मिला, तो उस ने देखा की सब अपने दुःख सुख बांटने यहां आते है। यही है महानगरों में चौपाल की परिवर्तित शक्ल। शहर के व्यस्त जीवन में, समय किसे कहां है...? गांव की चौपाल में, इतवार के साथ सब यार दोस्त होते हैं।

लेखिका : शबाना शेख रियाजुद्दीन

दिल्ली से भी छोटे हैं विश्व के ये 11 देश

पूरी दुनिया घूमने का सपना तो ज्यादातर लोगों का होता है लेकिन पूरी दुनिया इतनी छोटी भी नहीं है कि महज कुछ दिनों में ही विश्व के ज्यादातर देश घूम लिया जाए। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में ऐसे देशों की भी कमी नहीं है जो दिल्ली से भी छोटे हैं। खास बात ये है कि इन देशों में घूमने के लिए आपको सिर्फ एक दिन लगेगा।

आइल ऑफ मैन

डगल्स इस देश की राजधानी है। ये देश यूरोपीय संघ का सदस्य है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां लगभग 84,000 लोग रहते हैं।

अंडोरा, पश्चिमी यूरोप

स्पेनिश कल्चर का अनोखा नजारा देखने के साथ आपको यहां पर मौज-मस्ती करते दिखाई देंगे। यहां की जनसंख्या 76,000 है। ये जगह बार्सिलोना से सिर्फ 3 घंटे की दूरी पर है।

माल्टा, भूमध्य सागर

ये देश 316 स्क्वायर किलोमीटर में फैला हुआ है। इसकी जनसंख्या 4,50000 है। यहां पर मुख्य रूप से इंग्लिश और माल्टी भाषा बोली जाती है। यहां का कल्चर विश्व भर में मशहूर है।

सेंट किट्स और नेविस, वेस्टइंडीज

वेस्टइंडीज संघ, जिसे फेडेरेशन ऑफ द वेस्टइंडीज के रूप में भी जाना जाता है। इन दोनों आयलैंड को देखने के लिए विश्व भर से पर्यटक आते हैं। वेस्टइंडीज संघ में बसे हुए लगभग 24 मुख्य द्वीप और 220-230 के आस-पास छोटे अपतटीय द्वीप, टापू शामिल हैं।

सैन मैरिनो, इटेंलियन प्रायद्वीप

61 स्क्वायर किलोमीटर में फैला हुआ है। आपको जानकर हैरानी होगी कि सैन मैरिनो दुनिया का सबसे छोटा देश है। यहां पर लोगों से ज्यादा वाहनों की संख्या है।

मोनाको, पश्चिमी यूरोप

फ्रांस और इटली के बीच स्थित मोनैको दुनिया का दूसरा सबसे छोटा देश है। इसका मुख्य कस्बा है मॉन्टे कार्लो। यहां फ्रैन्च भाषा बोली जाती है। यहां दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा करोड़पति हैं।

वेटिकन सिटी, इटली

यह इटली के शहर रोम में है। इसकी राजभाषा लातिनी है। यहां आकर्षक गिरजाघर, मकबरें तथा कलात्मक संग्रहालय तथा पुस्तकालय हैं। साथ ही पोप के सरकारी निवास का नाम भी वैटिकन है। वैटिकन पहाड़ी पर स्थित ये देश ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक कारणों से प्रसिद्ध है।

इस ज्वालामुखी से हवा में 61 मीटर तक उछल रहा है लावा

अमेरिका के हवाई राज्य में किलायू ज्वालामुखी से निकल रहा लावा 200 फीट यानि करीब 61 मीटर तक हवा में उछल कर आसपास के क्षेत्रों में फैल रहा है। इसकी चपेट में आकर इलाके के 30 से ज्यादा घर पूरी तरह नष्ट हो गए और 1,700 के लगभग लोगों को अपना घर छोड़कर जाना पड़ा है। सबसे ज्यादा नुकसान लेलनी एस्टेट में हुआ है। जगह-जगह जमीन फटने से जहरीली गैस और भाप पूरे क्षेत्र में फैल रही है।

अधिकारियों ने प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे कर नष्ट हुए घरों का पता लगाया। हवाई काउंटी के प्रवक्ता जानेत सिंडर ने कहा, 'आंकड़ों में बदलाव हो सकता है। यह दृश्य देखना पीड़ादायक है।' ज्वालामुखी विशेषज्ञ वेंडी स्टोवाल ने बताया कि 'अभी भी

ज्वालामुखी में बड़ी मात्रा में लावा जमा हुआ है। जब तक यह पूरी तरह निकल नहीं जाता, विस्फोट जारी रहेंगे।'

बता दें कि बीते गुरुवार को भूकंप के कई झटकों के बाद विश्व के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी में शामिल किलायू में विस्फोट हुआ था। उसके बाद से वहां करीब 250 भूकंप के झटके आ चुके हैं। बीते शुक्रवार को रिक्टर पैमाने पर 6.9 तीव्रता तक के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

इंद्रधनुष की तरह लगती है दुनिया की यह सबसे खूबसूरत नदी

दुनिया में बहुत-सी अनोखी, सुदंर और अद्भुत नदियां है। वहीं, कुछ नदियां इतनी रहस्यमयी होती है, जिनके बारे में सुनकर लोग अक्सर हैरत में पड़ जाते है। आज हम आपको एक ऐसी ही नदी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका पानी सफेद की बजाए रंग-बिरंगा है। जी हां, हम बात कर रहे हैं दुनिया की सबसे खूबसूरत नदी केनो क्रिस्टल की। आइए जानते है इस नदी के बारे में कुछ और बातें।

केनो क्रिस्टल नदी कोलंबिया के Serrenia de la Macerana से होकर गुजरती है। इस नदी की खास बात है कि यह साल के सारे दिनों में तो बाकी नदियों की तरह दिखती है। परंतु जुलाई से नवंबर के महीने में यह नदी रंगीन दिखाई देती है, जिसका दृश्य काफी खूबसूरत है। केनो क्रिस्टल को रिवर ऑफ फाइव कलर्स के नाम से भी जाना जाता है। गर्मी से लेकर बरसात के मौसम तक इस नदी में मैकरेनिया क्लेविग्रा पौधे निकल आते है जिसकी वजह से इस नदी का पानी रंग बिरंगा हो जाता है। ये पौधे आधे पानी के अंदर और आधे पानी के बाहर रहते हैं। फूलों के कारण इस नदी का पानी हरा, नारंगी, लाल, पीला और नीले रंग में दिखाई देता है, जोकि बिल्कुल इंद्रधनुष की तरह लगता है।

नदी में खूबसूरत घुमावदार रॉक पूल है। यह घुमावदार चट्टाने इस नदी की खूबसूरती में चार चांद लगा देती हैं। इस नदी तक पहुंचना काफी मुश्किल है लेकिन फिर भी इसकी सुदंरता देखने के लिए टूरिस्ट हर मुश्किल पार कर लेते हैं। सूरज की रोशनी जब इस पर पड़ती है तो लगता है मानो इंद्रधनुष के अलग अलग रंग अपने आप ही उभर कर आ रहे हैं। अगर आप कभी भी कोलंबिया घूमने जा रहे हैं तो इस नदी में स्विंमिग करना न भूलें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अपच से लेकर कैंसर तक, कई प्रॉब्लम्स का काल है अनार की चाय

मीठे और लाल रस भरे अनार का सेवन सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। हैल्थ प्रॉब्लम्स दूर करने के लिए लोग रोजाना इसके दानों का सेवन करते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं इसका छिलका भी सेहत की कई समस्याए दूर करता है। इसके छिलकों से बनी चाय में मौजूद कई महत्वपूर्ण एंटीऑक्सिडेंट्स के कारण ये पाचन से लेकर कैंसर तक की बीमारी को दूर रखने में मददगार होता है। इसलिए इसका चाय का सेवन आपकी कई हैल्थ प्रॉब्लम को दूर करता है। आज हम आपको अनार के छिलकों की चाय बनाने का तरीका और इसके फायदे बताएंगे। इसे जानकर आप भी रोजाना इसका सेवन शुरू कर देंगे।

चाय के लिए ऐसे तैयार करें अनार के छिलके

एंटीऑक्सिडेंट्स और मिनरल्स के साथ-साथ इसके छिलके में विटामिन सी, फेनॉलिक्स और फ्लैवेनॉइड भी पाया जाता है, जोकि सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इसके छिलकों को चाय बनाने के लिए तैयार करना है तो पहले इसे साफ पानी से धोकर इन्हें धूप में सूखा लें। सूखाने के बाद इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। इसके बाद इसे ब्लैंड करके पाउडर बना लें। अब अनार के छिलकों के इस पाउडर को किसी एयर टाइट कंटेनर में भरकर रख दें ताकि ये खराब न हो।

ऐसे बनाएं अनार के छिलकों की चाय

अनार के छिलकों की चाय बनाने के लिए सबसे पहले पैन या इलेक्ट्रॉनिक केटल में एक कप पानी गर्म करें। इसके बाद इसमें 1 टीस्पून अनार के छिलकों का पाउडर डालें और थोड़ी देर ऐसे ही रहने दें। इसके बाद इसे छानकर इसमें थोड़ा-सा नींबू का रस और ऑर्गेनिक शहद मिलाएं। आपकी चाय तैयार है। अब आप इसे दिन में 2 बार पी सकते हैं।

अनार के छिलकों से बनी चाय के फायदे

1. पाचन के लिए फायदेमंद

अगर आपको पाचन से जुड़ी प्रॉब्लम रहती है तो भोजन के बाद 1 कप अनार की चाय का सेवन करें। इससे आपका पाचन सिस्टम ठीक हो जाएगा। इसके अलावा डायरिया की समस्या होने पर भी इसका सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है।

2. दिल की बीमारियों से बचाए

अनार के छिलकों में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स, फ्लेवेनॉइड्स, फेनॉलिक्स और विटामिन सी जैसे गुण दिल को मजबूत करके उसे बीमारियों से बचाते हैं। रोज इस चाय को पीने से आपका ब्लड प्रैशर कंट्रोल में रहता है और शरीर में कोलेस्ट्राल स्तर भी नियंत्रित रहता है। इससे आप किसी भी तरह के हार्ट डिसीज से दूर रहते हैं।

3. उम्र का प्रभाव करे कम

दिन में सिर्फ एक बार भी इस चाय को पीने से उम्र का प्रभाव कम होता है। दरअसल, इस चाय का सेवन शरीर में एंटीऑक्सिडेंट्स फ्री रेडिकल्स को न्यूट्रिलाइज करते हैं, जिससे झुर्रियां, काले घेरे और फाइन लाइन जैसी प्रॉब्लम नहीं होती। इसके अलावा इसका सेवन आपको जोड़ों के दर्द, कमजोरी हड्डी और शरीर में दर्द की समस्या भी नहीं होने देता।

4. कैंसर से भी बचाएगी ये चाय

रिसर्च के अनुसार, अनार के छिलकों में मौजूद तत्व शरीर में कैंसर की आशंका को कम करते हैं। इतना ही नहीं, इसका सेवन ब्रेस्ट और स्किन कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम कर देता है। इसिलए दिन में एक बार अनार की चाय का सेवन जरूर करें इसे ने से आप कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से भी खुद को बचा सकते हैं।

5. विटामिन सी से भरपूर

विटामिन 'उ' यानि एस्कॉर्बिक एसिड भी शरीर को स्कर्वी बीमारीयों से बचाने में मदद करता है। इसकी कमी होने पर त्वचा रोग, झुर्रियां, इम्यून सिस्टम कमजोर, महामारी के समय हैवी ब्लीडिंग, हृदय रोग और आंखों संबंधित बीमारियां होने लगती हैं। ऐसे में अनार की चाय का सेवन आपके शरीर में विटामिन सी की कमी को पूरा करता है, जिससे आप इन सभी समस्याओं से बचे रहते हैं।

6. गले में खराश

अगर आपके गले में खराश है या आप टॉन्सिल दर्द से परेशान है तो इस चाय का सेवन करें। इससे आपको इस समस्या से तुरंत राहत मिल जाएगी।

7. बॉडी डिटॉक्स करने के लिए

अनार के छिलके से बनी इस चाय का सेवन बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए भी फायदेमंद है। एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर यह चाय शरीर से विषैले पदार्थों को निकालकर आपको बीमारियों से बचाती है।

आपकी डेली रूटीन की ये गलतियां त्वचा को बना देती है बेजान

लड़के हो या लड़कियां खूबसूरत दिखना तो हर कोई चाहता है। सभी चमकदार और ग्लोइंग स्किन के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन इन प्रॉडक्ट्स का असर कुछ ही समय के लिए ही रहता है। चेहरे का रूखापन और बीमार दिखने के पीछे हमारी कुछ बुरी आदतें भी होती है। अगर आप इन आदतों में बदलाव कर लेंगे तो आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी और आप लंबे समय तक जवान दिखेंगे। आइए जानिए आपकी वह कौन-सी है बुरी आदतें, जिसके कारण स्किन हो जाती है बेजान।

बेजान त्वचा का कारण है ये आदतें

1. साबुन का ज्यादा इस्तेमाल करना

कुछ लोग चेहरे पर निखार लाने के लिए उसे बार-बार साबुन से धोते हैं जिससे चेहरा धीरे-धीरे रफ दिखने लगता है। इसलिए चेहरे पर साबुन का कम से कम इस्तेमाल करें। चेहरे से गंदगी हटाने के लिए घरेलू फेसवॉश, फेसपैक या फिर मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करें।

2. कम पानी पीना

पानी कम मात्रा में पीने से शरीर से विषैले पदार्थ बाहर नहीं निकल पाते, जिसके कारण भी स्किन भी अनहैल्दी ड्राय और डेड दिखने लगती है। अगर आप शरीर और स्किन को हैल्दी बनाना चाहते हैं तो खूब सारा पानी पीएं।

3. जंकफूड का ज्यादा सेवन

अगर आप स्किन को ग्लोइंग बनाना चाहते हैं तो जंकफूड और ऑयली चीजों को न खाएं। डाइट में ज्यादा से ज्यादा फलों और सब्जियों का सेवन करें। कुछ ही महीनों में आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी।

गर्मियों में होने वाली स्किन प्रॉब्लम्स की छुट्टी कर देंगे ये फेसपैक

गर्मियों में तेज धूप और धूल-मिट्टी पसीने के कारण कई तरह की स्किन प्रॉब्लम जैसे रैशेज, खुजली, इरिटेशन और जलन आदि होने लगती है। इसलिए ऐसे गंदे मौसम में स्किन का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। चाहे आप रोजाना धूप और धूल-मिट्टी से बचाव के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करते होंगे लेकिन इनमें भी केमिकल्स मिलें होने के कारण भी स्किन को जलन हो सकती है। इसलिए आप स्किन को कूलिंग और सूदिंग इफेक्ट देने के लिए साथ में घरेलू फेस पैक ट्राई करें। इससे बिना किसी साइड-इफैक्ट के स्किन हाईड्रेट भी होगी और गर्मी में होने वाली स्किन प्रॉब्लम्स से राहत भी मिलेगी।

1. खीरे का फेस पैक

इसमें ऐसे तत्व होते हैं जो स्किन को ठंडक देते हैं और ड्राय स्किन से राहत मिलती है। इसे इस्तेमाल करने के लिए आधे खीरे को ब्लेंड करके पेस्ट बना लें और इसमें गुलाबजल मिला कर इसे चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं। फिर चेहरे को सादे पानी से धो लें।

2. मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक

जिन लड़कियों की स्किन ऑयली है, उनके लिए यह बहुत कारगार उपाय है। इसके लिए 1 टेबलस्पून मुल्तानी मिट्टी में 2 टेबलस्पून गुलाबजल और शहद मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर सूखने पर धो लें। अगर आप चाहे तो मुल्तानी मिट्टी की जगह चंदन पाउडर भी ले सकती है।

3. पुदीने का फेस पैक

इस फेस पैक से आपकी स्किन कूल भी रहेगी साथ ही पिंपल्स से भी राहत मिलेगी। यह फेस पैक हर तरह की स्किन पर सूट करता है। इसे तैयार करने के लिए पुदीने के पत्तों को धोकर पीस लें और फिर इसमें 1 चुटकी हल्दी मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और सूखने पर धो लें। इस उपाय को सप्ताह में दो बार करें।

4. ठंडे दूध का फेस पैक

ठंडे दूध से तैयार फेस पैक चेहरे पर कलींजर की तरह काम करता है और गर्मियों होने वाली स्किन प्रॉब्लम से राहत दिलाता है। इस पैक को तैयार करने के लिए 2 टेबलस्पून ठंडे दूध में 1 टीस्पून शहद मिलाकर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और फिर सूखने के बाद चेहरे को धो लें।

5. दही का फेसपैक

धूप में होने वाली टैनिंग और सनबर्न जैसी परेशानियों से राहत पाने के लिए दही का फेस पैक बहुत बढ़िया ऑप्शन है। इस पैक को तैयार करने के लिए 2 टेबलस्पून दही में 1 टेबलस्पून बेसन मिला कर पेस्ट तैयार कर लें। इसे चेहरे और गर्दन पर अच्छी तरह लगाएं और सूखने के बाद हाथों से रगड़ते हुए छुड़ाए। फिर सादे पानी से धो लें।

4. पूरी नींद न लेना

रोजाना एक व्यक्ति को कम से कम 6 से 8 घंटे नींद लेनी चाहिए। अगर आप कम नींद लेते हैं तो आपकी आंखो पर डार्क सर्कल और चेहरे पर दाग पड़ने लगते हैं। अगर आप इन समस्याओं से राहत पाना चाहते हैं तो रोजाना 6 से 8 घंटे नींद लें।

ग्लोइंग स्किन के लिए इन बातों पर भी दे ध्यान

1. रोजाना करें वॉक

वॉक केवल सेहत के लिए ही नहीं स्किन के लिए भी फायदेमंद है। वॉक के साथ एक्सर साइज कर ली जाएं तो स्किन के लिए और भी बढ़िया होगा।

2. चेहरे को क्लीनजिंग करें

पूरे दिन की धूल-मिट्टी हटाने के लिए रोजाना चेहरे की क्लीनजिंग करें। इसके लिए मुल्तानी मिट्टी, ठंडा दूध या फिर घरेलू फेसवॉश का इस्तेमाल करें।

3. सनस्क्रीन लगाना न भूलें

तेज धूप में सूर्य की किरणें स्किन पर बहुत बुरा असर डालती है इसलिए धूप में बाहर निकलने से पहले समस्क्रीन लगाना न भूलें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

Organized By

MUMBAI HALCHAL

Powered By

ARCHANA JAIN X Florian Foundation

MUMBAI HALCHAL ACHIEVERS AWARDS

CELEBRITY ACTOR

ARBAZ KHAN

SUNDAY
27TH AUGUST
2023

Venue :
MADHUBAN HOTEL, DEHRADUN

Time :
06:00 PM

Dilshad Khan - ABPSS Vice President & Director of Mumbai Halchal Daily Newspaper Subhash Chandra Satyapati Guruji & Deepak Gupta

mumbaihalchal@gmail.com www.mumbaihalchal.com +91-9821238815/9837463289

DWAPAR PROMOTERS · FRAMS · HOTEL MADHUBAN · REALTY QUARTER Marketing Partner · FAME MEDIA · न्यूज़ वायस्स Film Production · EXPRESS NEWS · LOVE PARENTS · Rua Creation · BANK ENCRYPT · DG CORP · VANSHRAJ DEVELOPERS · AK